राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) पूरे भारत में संभावित महिला उद्यमियों के लिए 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) आयोजित करेंगे

उज्जैन से शुरू हुआ पहला कार्यक्रम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के सहयोग से राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को उज्जैन के विक्रम विश्व विद्यालय से संभावित महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) शुरू करने की घोषणा की।देश भर में ऐसे 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उज्जैन के पहले कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री मंगूभाई पटेल, मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल और विशिष्ट अतिथि डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई, माननीय राज्यमंत्री, महिला मंत्रालय, बाल विकास, भारत सरकार ने श्रीमती रेखाशर्मा, अध्यक्ष, एनसीडब्ल्यू; डॉ. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई; और श्रीमती मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग की उपस्थिति में किया ।इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्रीपी. नरहरि, आईएएस, सचिव, एमएसएमई और उद्योग आयुक्त, मध्यप्रदेश सरकार शामिल थे।एनसीडब्ल्यू सदस्यों में श्री मती ममता कुमारी, श्रीमती डेलिनाखोंगडुप, श्रीमती खुशबू सुंदर सहित राजभवन और सरकार के गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के लॉन्च के मौके पर मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने कहा, सबका साथ सबका विकास के विजन के साथ देश आगे बढ़ रहा है ।महिलाओं के नेतृत्व विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है और इसे मान्यता भी मिल रही है।स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं काफी आगे बढ़ी हैं।महिलाएं अपनी सफलता की कहानियां लिख रही हैं।आत्म विश्वास के साथ अपने उद्यमों को चला रही है और अपनी भविष्य की योजनाओं को लेकर मुखर हैं।माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश द्वारा लागू की गई पहलों की सहायता से महिलाओं ने अभूतपूर्व प्रगति की है।उद्यम स्थापित करने के लिए महिलाओं को सब्सिडी मिल रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से प्रगति हुई है।प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और विकास के अवसर खुले हैं।मैं उद्यमशीलता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण की दिशा में इस असाधारण पहल के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और भारत के उद्यमिता विकास संस्थान को बधाई देता हूं।

महिला उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए डॉ. मुंजपारा ने कहा, हम सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में महिला ने तृत्व और सशक्तीकरण में तेजी लाकर भारत के महिला-नेतृत्व वाले विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं,हमारे भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।उन्हें सशक्त बनाना न केवल हमारी नैतिक जिम्मेदारी है बल्कि सतत विकास के लिए एक आवश्यक शर्त भी है ।राष्ट्रीय महिला आयोग और भारत के उद्यमिता विकास संस्थान के बीच यह सहयोग न केवल महिला उद्यमियों की क्षमता निर्माण में मदद करेगा बल्कि लोगों को जागरूक भी करेगा।

श्री मती रेखा शर्मा ने कहा, हालांकि महिलाएं समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी जब आर्थिक सशक्तीकरण और स्वतंत्रता की बात आती है तो वे पीछे रह जाती हैं।आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।महिला उद्यमिता का समर्थन करने के लिए भारत के पास एक पूरा तंत्र है।इसे देखते हुए महिलाएं अपना एमएसएमई स्थापित करने के लिए प्रेरित हो रही हैं।महिला उद्यमी अन्य महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं, और यही समय की मांग है।महिलाओं को अपनी सफलता, नेटवर्क और आगे बढ़ने के बारे में बोलने की जरूरत है।मुझे विश्वास है कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के सहयोग से यह सब संभव होगा।अगर ईडीआईआई जैसे संस्थान हमारे प्रयास में हमारा साथ देते हैं, तो हम निश्चित रूप से सफल होंगे।

डॉ. सुनील शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा, पिछले दस वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है और यह केवल इसलिए संभव हुआ है क्योंकि देश की महिला आबादी को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एनसीडब्ल्यू और ईडीआईआई ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग किया है।इससे देश काफी मजबूत होगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव श्रीमती मीनाक्षी नेगी ने गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।श्री मती नेगी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे महिलाएं हमेशा अगुवा रही हैं।उन्होंने यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया कि महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का महिलाओं को मुख्यधारा की आर्थिक गतिविधियों में उपयोग किया जाना चाहिए और उद्यमिता जागरूकता शिविर इस दिशा में एक बड़ा कदम है। एक दिवसीय ईएपी का उद्देश्य भाग लेने वाली महिलाओं को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के फायदे समझना, कौशल सीखना और उद्यमी बनने के लिए सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक बाधाओं को दूर करना है।ईएपी का उद्देश्य महिलाओं में उद्यम शीलता कौशल विकसित करना है ताकि वे ज्ञान, कौशल और अपना खुद का व्यवसाय बनाने के लिए प्रेरणा प्राप्त कर सकें। उद्घाटन के बाद सत्र और पैनल चर्चा आयोजित की गई, जहां विशेषज्ञों ने उद्यमिता के मूल सिद्धांतों, व्यापार के अवसरों की पहचान, उद्यमी तैयार करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।